उत्तराखंड में सुरक्षा उपाय सक्रिय

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की और राज्य के सभी **सीमावर्ती क्षेत्रों में मज़बूत सुरक्षा** सुनिश्चित करने के साथ-साथ सीमांत इलाकों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सख्त निगरानी रखने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- **संवेदनशील सीमावर्ती ज़िलों की पहचान की गई:**
  - **उत्तरकाशी और चमोली की सीमा चीन** से लगती है।
  - **चंपावत और उधमसिंह नगर की सीमा नेपाल** से लगती है।
  - **पिथौरागढ़ की सीमा चीन और नेपाल दोनों से** लगती है।
- **चार धाम यात्रा के दौरान सुरक्षा बढ़ाई गई:**
  - मुख्यमंत्री ने **चार धाम यात्रा मार्ग पर सुरक्षा बढ़ाने पर ज़ोर दिया**, जहाँ वर्तमान में लाखों तीर्थयात्री पंजीकृत हैं।
  - उन्होंने निर्देश दिया कि तीर्थ स्थलों के लिये सभी सुरक्षा व्यवस्थाएँ अविलंब सक्रिय कर दी जाएं।
- **सामरिक अवसंरचना का संरक्षण:**
  - बैठक में प्रमुख प्रतिष्ठानों, बांधों, विद्युत संयंत्रों की सुरक्षा की समीक्षा की गई तथा सभी विभागों और पुलिस बलों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिये गए।
- **आपातकालीन तैयारी उपाय:**
  - उन्होंने निर्देश दिये कि ज़िला एवं तहसील स्तर पर **खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित** की जाए।
  - **अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की उचित व्यवस्था** के साथ सतर्क रहना चाहिये ।
- **नागरिक सुरक्षा और स्वयंसेवकों की भूमिका:**
  - मुख्यमंत्री ने **राहत एवं बचाव** कार्यों में **नागरिक सुरक्षा समूहों** और **स्वैच्छिक संगठनों को प्रशिक्षित करने का आह्वान** किया।
- **अफवाहों और गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाना:**
  - मुख्यमंत्री ने **जनता तक सटीक एवं सत्यापित जानकारी प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल** दिया।
  - उन्होंने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/security-measures-activated-in-uttarakhand